# मुझे रण्डी बनना है-9

प्रेषक : हरेश जोगनी

मौसी ने मुझे खींचते हुए अपनी बाहों में लिया और बोली - भड़वे , तेरी तारीफ मैंने सभी रण्डियों से सुनी तो सोचा मैं भी तेरा लौड़ा ले ही लूँ। आज रात मैं सोने वाली नहीं और तुझे भी नहीं सोना।

मैं - हाँ मेरी रण्डियों की रानी। तू क्यूँ बाकी रहेगी ? तेरी तो खास खातिरदारी करूँगा। सारे दाँव आजमाऊँगा।

उसने मुझे नंगा किया और खुद कपड़े पहनकर मेरा लौड़ा चूसने लगी।

5 मिनट बाद मौसी - क्या रे? तू मुझे नंगी नहीं करेगा ? कर ना रे !

मैंने उसके सारे कपड़े उतारे , उसका भोसड़ा भूखा -प्यासा था। उसने झट से मेरे मुँह पर अपना भोसड़ा धर दिया। मैंने उसे चाट-चाट कर तड़पा दिया।

मौसी ने लौड़ा मसल मसल कर दुबारा खड़ा किया और दोबारा चोदा उसको।

मौसी - भड़वे , क्या लम्बा लौड़ा है रे ? आज की रात तुम्हारी आखरी रात है। मैं चाहती हूँ कि तुम दोनों और थोड़ा , मतलब दो-एक दिन रुको न? मैं भी जी भर के चुदवा सकूँ और और सीमा को भी मस्त कमाई हो?

मैं - मौसी , आज की रात तुम्हारी। पर हम नहीं रुक सकते ! घर पर राह देखते होंगे।

मौसी - राजू ! रा..जू ... आ भड़वे .. क्या तड़पा रहा है?

मैंने उसे खड़ा किया और पीछे से एक टांग उठाकर एक हाथ का सहारा देकर लौड़ा घुसेड़ दिया। थोड़ी देर बाद मैंने उसे पाँच अलग अलग तरीकों से चोदा और आखिर में सीधे लिटा कर पूरा लौड़ा घुसेड़ दिया और चोद डाला।

मौसी - मज़ा आया इस हफ्ते ! तुम दोनों मिया बीबी के साथ किए मज़े मैं भूल नहीं सकती।

सुबह होते ही मैं और मौसी बाहर !

आते ही सारी रण्डियों ने ताली बजाकर हमारा स्वागत किया।

जाहिदा - तुमने तो तिजोरी पे ही हाथ मार दिया। बड़े उस्ताद चोदू हो? राजू और एक बार मुझे चोद ना ! भड़वे , क्या मस्त चोदता है तू !

जूली - जीजू , आज मेरी वो सहेली डोना आने वाली है, उसके लिए तगड़ा ग्राहक ढूंढ कर लाना।

मैं - अच्छा फिकर मत करना ! मिल जाएगा कोई ना कोई। पर वो तैयार होगी क्या ?

सुनीता - उसकी चिन्ता छोड़ो ! यहाँ के नजारे देखते ही मचल उठेगी। पहले तो मैं भी डरी थी। मगर अब मेरा भोसड़ा हर लौड़े के लिए बेताब रहता है। आखिरी दिन है तो बहुत चुदवाऊँगी। सारी कसर एक ही दिन में पूरी करूंगी। फिर कहाँ ऐसा कर सकूँगी ?

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.

इतना कहकर सुनीता ग्राहक का इन्तजार करने लगी। साली पूरी तरह रण्डी ही बन गई थी। भड़काऊ मेकअप, तंग हाफ-पैंट, उस पर बिना बाहों वाली जर्सी जिसमें से उसके गोलों की लकीर दिखाई देती थी। मैं सोच भी नहीं सकता था कि वो मेरी पत्नी है और एक संसारी स्त्री है। वो इतनी मस्ताई थी कि उसने एक एक करके सारी रण्डियों की गाण्ड दबा दी..

करीब 11:30 बजे कोठे सामने एक रिक्शा रुकी। उसमें से जूली और एक खूबसूरत लड़की उतरी। उसकी छाती देखते ही सब समझ गए कि यह डोना ही है जिसके बारे में जूली बात कर रही थी।

मैंने सामान उतारकर अन्दर रख लिया। मैं वहाँ भड़वे का काम करता था तो यह सामान उठाने का काम भी कोई बुरा नहीं लगा। मैंने सामान उठाने के बहाने उसकी गाण्ड को छू ही लिया। साली को पता ही नहीं चला। वो तो बावरी बन गई थी। सोच रही होगी कहाँ फंस गई?

जूली - यह है मेरा ऑफिस, जहाँ मैं काम करती हूँ। और यह मेरी सहेली डोना है जो मेरे जैसे गोवा से ही है.. कल से तुम्हें भी काम करने को मिलेगा। जीजू, इसे अन्दर ले चलो। सारा काम अपने आप सीख लेगी ! बहुत होशियार है यह।

मैं उसे अन्दर ले आया। वहाँ जाहिदा, नीला, रानी सुनीता धंधे के लिए तैयार होकर खड़ी थी.. उन सब में नीला आज बड़ी सेक्सी लग रही थी। उसने नीली साड़ी कस कर पहनी थी और गहरे गले का बिना बाहों वाला ब्लाउज़ पहना था।

उतने में मौसी नीचे आई और बोली - आ री ! तू ही है क्या जूली की सहेली ? बहुत तारीफ़ करती थी.. बोलती थी कि मेरी सहेली के आते ही जादू चल जाएगा। देखते हैं, क्या होता है? तुम आराम से बैठो। कोई डर मत रखना। तुम मेरे कमरे में चलो। राजू तुम भी साथ चलो।

डोना डरते डरते मेरे पीछे-पीछे चलने लगी। हम तीनों मौसी के कमरे में पहुँचे। मौसी ने सी सी टीवी चालू किया। नीचे ग्राहक आने लगे थे। कोई रण्डियो के गाल को छू रहा था, कोई उनकी छाती देख रहा था। एक ने सुनीता की गाँड को दबा कर देखा और भाव ताव करके उसे कमरे में ले गया।

मौसी और मैं डोना के चेहेरे के हाव-भाव देख रहे थे। साली सिर्फ़ नौटंकी कर रही थी, असल में वो भी चुदक्कड़ ही होगी और चुदवाने का मौका ढूंढ रही होगी।

इधर सीसी टीवी पर कमरे में सुनीता ने ग्राहक से 500 रुपए लिए, अपने कपड़े उतारे और सीधे से उसका लौड़ा लेकर चुदवाना चालू किया।

यह देखकर डोना बोली - हूं तो जूली के ऑफिस में यह काम होता है? बड़ी शरीफ बनती है गोवा में ! और यह औरत कौन है और कहाँ से आई है? कितनी बेशरम है?

मौसी - अरी, ये सारी रण्डियाँ हैं और यह रण्डी इसकी बीवी है। घूमने निकले और जब दिल्ली आए तो जेब कट गई तो कोई उन्हें पैसे नहीं दे रहा था। फिर पैसे कमाने दोनों मेरे पास आए। उसकी औरत का नाम सीमा है और यह राजू है और इन रण्डियों के लिए कस्टमर लाता है और

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.

दलाली के बदले उनको चोदता है। सब इसे जीजू बुलाती है। ये सारी रण्डियाँ कहलाने में शर्म नहीं करती। तुझे भी रण्डी बनना हो तो बोल?

डोना - आपको शर्म नहीं लगती अपनी बीवी से धंधा करवाते ?

मैं - अरे बाहर की दुनिया देखी है मैंने और मेरी बीवी ने.. साले सब के सब हवस खोर होते हैं। यहाँ एक अच्छा है कि जिसे भी इच्छा होती है चला आता है, पैसे देकर चोद कर चला जाता है। कोई नौटंकी नहीं। थोड़ी देर तू अकेली इस कमरे में बैठ कर देख कैसे कैसे लोग आते हैं.. पता चलेगा कि लोगों के लौड़े में कितनी आग होती है ! फिर सब मिटाने यहाँ की गलियों में आते हैं। बड़ी-बड़ी पार्टी के कार्यकर्ता भी आते हैं। कल ही यहाँ का नगर-सेवक देर रात आया था और जाहिदा , नीला और सुशी को ले गया था।

इतना कहकर मैं मौसी को लेकर बाहर निकल गया। डोना के लिए सी सी टीवी चालू ही छोड़ दिया और हम दूसरे कमरे में बैठ कर उसके ऊपर नजर रखने लगे।

डोना ने देखा कि एक नया नवेला लड़का आया, थोड़ा डरा हुआ था। पहली बार इस गली में आया होगा.. जूली ने एक आँख मारी और उसके पास जाकर खड़ी हो गई।

उसने डरते हुए जूली को कहा- मैं पहले कभी नहीं आया ! दोस्तों ने बोला कि मज़े करने हैं तो इस गली में चले जाना।

जूली - सच है ! यहाँ बहुत मज़े करवाने वाली हैं। तुझे किसके पास जाना है?

जूली ने उसको पास खींच कर चूम लिया और उसके लौड़े को दबा दिया। वो शर्म और डर से पानी पानी हो गया.. फिर उसने जूली से मोल-तोल किया तो जूली ने उसको 1000 रुपए में दो घंटे कहा।

वो तैयार हो गया।

जूली उसकी कमर में हाथ डालकर ले गई। कमरे में जाते ही उस लड़के की हिम्मत बढ़ गई। उसने जूली की गाण्ड को आहिस्ता से छुआ।

जूली - अरे आराम से ! अब दो घंटे के लिए मैं सिर्फ तेरी हूँ। क्या नाम है रे?

लड़का - जी, सुखबीर ! और तुम्हारा ?

जूली - अरे क्या तुम तुम करता है? अभी तू मुझे चोदेगा तो क्या मैं तेरी बीवी बनने वाली हूँ.. यहाँ सिर्फ लौड़े और भोसड़े के रिश्ते होते हैं।

जूली ने उसे उसके और अपने कपडे उतारने कहा। उसने एक एक करके जूली के कपड़े उतारे और जूली ने शरारती होकर लड़के को एकदम नंगा कर दिया, उसे अपनी बाहों में लपेट लिया और फिर उसे पलंग पर बिठाकर उसका लौड़ा मुँह में लिया और लॉलीपोप की तरह चूसा और थोड़ी देर बाद।

जूली अपनी गेंदें झूलाती हुई- मैं तुम्हें सुक्खू बुलाऊँगी। सुक्खू , यह मेरी छाती कैसी है रे?

सुक्खू - बहुत मस्त साली ! इसे देख कर तो मैं अन्दर घुसा। बहुत डर लग रहा था।

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.

जूली - अरे डरने का नहीं ! बिन्दास आने का ! बहुत लोग आते हैं, सबको पहले डर लगता है ! तेरा नया लौड़ा है इसलिए मुँह में लिया। आज के बाद निरोध लगाना पड़ेगा क्योंकि अब तू हमेशा मेरे को ही तो चोदने नहीं आएगा। मगर कुछ दिन मेरे पास ही आना ! चोदने का पूरा आनन्द दूंगी। और अलग-अलग तरीके से चोदना सिखाऊँगी। अगली बार 2000 रुपए लेकर आना और रात भर मुझे चोदना।

लड़का - अब अगले हफ़्ते अपने एक दोस्त के साथ आऊँगा। हम दोनों को देगी एक साथ? जैसे ब्लू फिल्म में दिखाते हैं?

जूली - अरे दो क्या मैं तो 3-4 भी ले लूंगी मगर पैसे ज्यादा देने पड़ेंगे। हम रण्डियों को सिर्फ़ पैसा चाहिए। जो तुम जैसे भड़वे ही लाकर देते हैं।

लड़का - अरे दे देंगे। मगर बीयर या व्हिसकी का बन्दोबस्त करना पड़ेगा। क्या तुम पीती हो?

जूली - हाँ ! मैं सिर्फ बीयर पीती हूँ..

जूली ने उसकी छाती के बालों को सहलाया और दोबारा लौड़े को दबाया..

वो बेताब हुआ और उसने जूली को चूम लिया और दोनों हाथों में जूली की चूचियाँ लेकर दबाना चालू किया और चुचूक मुँह में लेकर चोकलेट की तरह चूसने लगा। नये लड़के ने कितनों से चुदवा चुकी जूली जैसी रांड को गर्म किया और जूली ने घोड़ी बनते हुए उसे कहा- पहले जैसे ब्लू फिल्मों में मारते हैं, वैसे गाण्ड मार और बाद में आगे से चोदना !

जूली ने उसके लौड़े पर निरोध लगाया और फिर गाण्ड मरवाना चालू किया।

यह देखकर कमरे में बैठी डोना ने ...

पढ़ते रहिए ! कहानी जारी रहेगी !

hareshj64@hotmail.com

Copyright © Indian Porn Empire - 2011. All Rights Reserved.